EKAL ABHIYAN
A PEOPLE'S MOVEMENT

॥ एकल॥
भारत लोक शिक्षा परिषद्

(एकल अभियान से संबंधित)

विश्व का सर्वश्रेष्ठ सामाजिक शिक्षा संगठन

एकल विद्यालय
Bharat Lok Shiksha Parishad

BLSP विकास यात्रा

यदि बच्चे विद्यालय नहीं जा सकते तो
विद्यालय को उन तक पहुँचाना होगा।

- स्वामी विवेकानंद

भारत लोक शिक्षा परिषद् (BLSP)

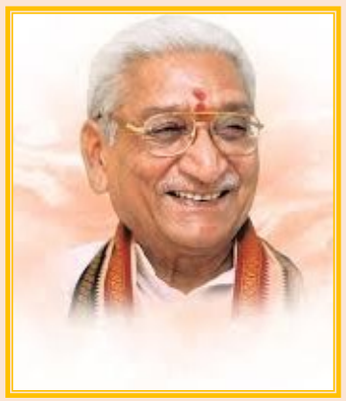

स्व. श्री अशोक सिंघल जी
पूर्व अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष
विश्व हिन्दू परिषद्

प्रेरणा एवं स्थापना -

माननीय श्री अशोक सिंघल जी ने श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी और श्री सुभाष अग्रवाल जी से आह्वान किया कि उत्तर भारत के संवेदनशील क्षेत्रों में एकल विद्यालय की स्थापना करनी है। उनकी प्रेरणा से भारत लोक शिक्षा परिषद् विगत 25 वर्षों से राष्ट्र निर्माण के इस पुनीत कार्य में समर्पित भाव से सेवारत है। भारत लोक शिक्षा परिषद एक गैर-लाभकारी संगठन है जिसकी स्थापना भारतीय ट्रस्ट अधिनियम के अंतर्गत **3 मार्च 2000** को दिल्ली में हुई।

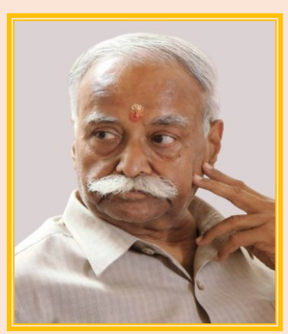

श्री ओम प्रकाश सिंघल जी
संस्थापक ट्रस्टी
भारत लोक शिक्षा परिषद्

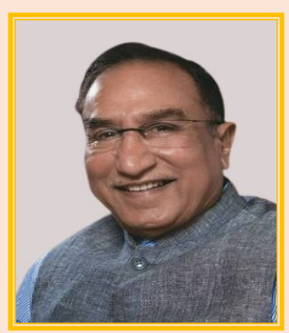

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी
संस्थापक ट्रस्टी
भारत लोक शिक्षा परिषद्

श्री सुभाष अग्रवाल जी
संस्थापक ट्रस्टी
भारत लोक शिक्षा परिषद्

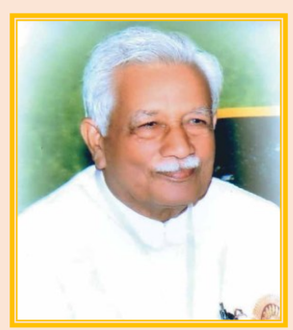

स्व. श्री सत नारायण बंधु जी
प्रथम राष्ट्रीय प्रधान
भारत लोक शिक्षा परिषद्

मिशन –

भारत के करोड़ों आदिवासी और ग्रामीण बंधुओं को सामाजिक, शैक्षणिक, एवं आर्थिक आत्मनिर्भर बनाकर उनका सशक्तिकरण करना ताकि उनकी भागीदारी गौरवशाली भारत के निर्माण में हो सके ।

विजन –

- एक शिक्षक विद्यालय (ओ.टी.एस.) यानी एकल विद्यालय के माध्यम से अनौपचारिक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करना ।
- आरोग्य योजना के अंतर्गत स्वास्थ्य और प्राथमिक चिकित्सा द्वारा स्वास्थ्य देखभाल को बढ़ावा देना।
- छोटे व्यवसायों के लिए शिक्षा और प्रशिक्षण देकर आर्थिक सशक्तिकरण प्राप्त करना और गाय के गोबर और गोमूत्र से तैयार जैविक खाद के द्वारा प्राकृतिक खेती के लिए प्रशिक्षण देना।
- सूचना के अधिकार अधिनियम की मदद से सरकारी योजनाओं से उनके अधिकार के बारे में जागरूक करना, उन्हें आत्मनिर्भर बनने और आत्मसम्मान के साथ जीने में सक्षम बनाना ।
- संस्कार शिक्षा के साथ सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागरूकता फैलाना ।
- जनजातीय गांवों में शहरी नागरिकों द्वारा की गई वनयात्रा (एकल विद्यालय दर्शन) द्वारा ग्राम और शहर के मध्य प्रेम का सेतु बनाना ।

भारत लोक शिक्षा परिषद की यात्रा राष्ट्र निर्माण के लिए

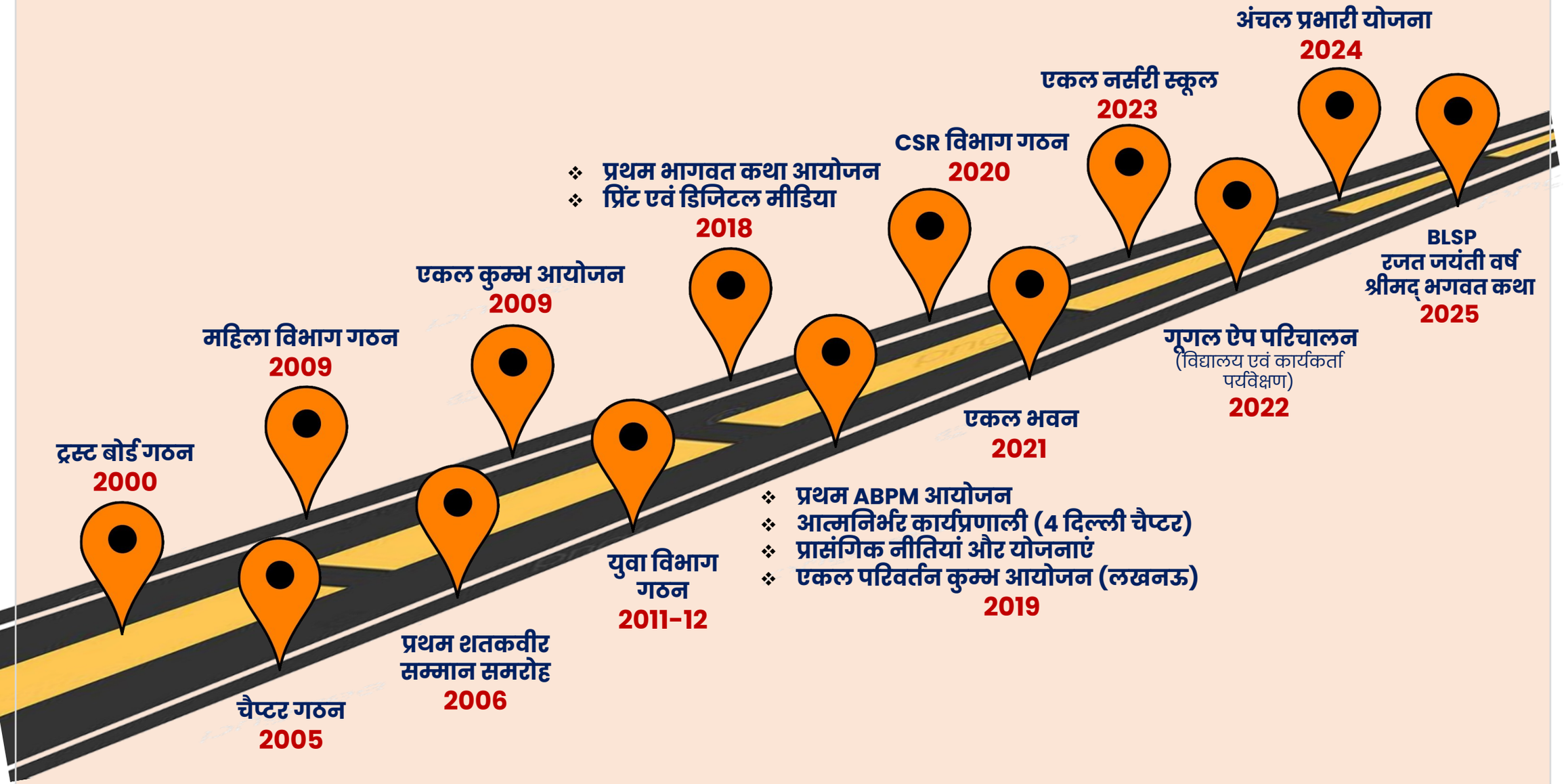

संगठनात्मक संरचना

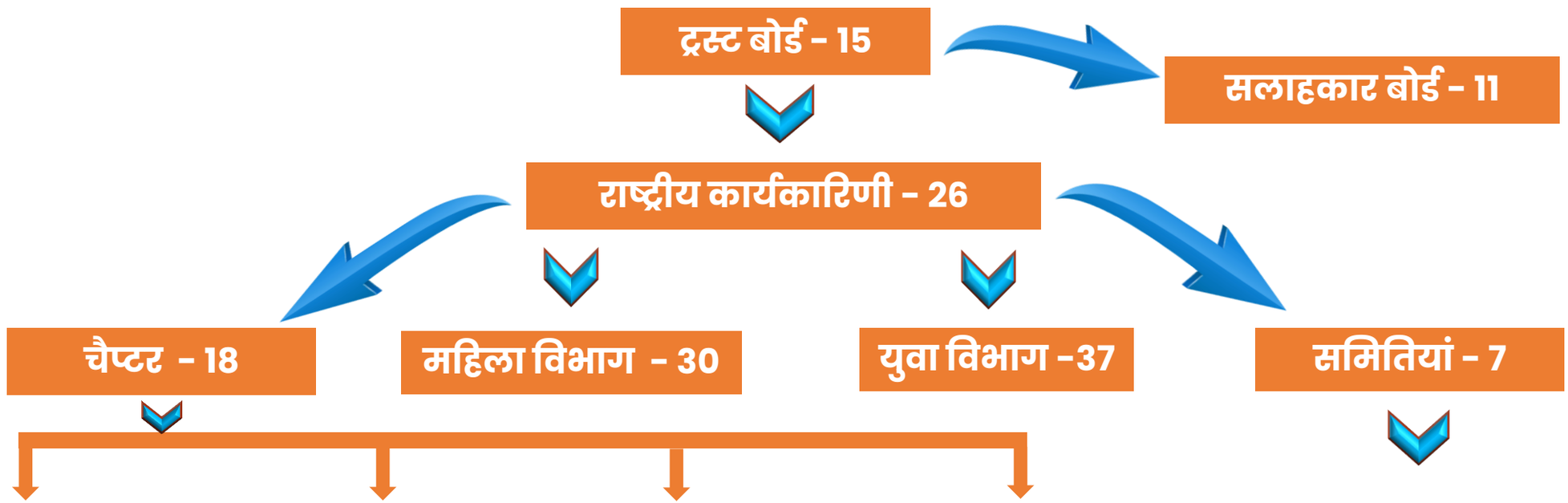

दिल्ली -5

1. उत्तरी दिल्ली
2. पूर्वी दिल्ली
3. दक्षिणी दिल्ली
4. पश्चिमी दिल्ली
5. सेन्ट्रल दिल्ली

उत्तर प्रदेश -7

6. लखनऊ
7. कानपुर
8. वाराणसी
9. बहराईच
10. सहारनपुर
11. मुरादाबाद

हरियाणा -5

12. फरीदाबाद
13. करनाल
14. गुरुग्राम
15. पंचकुला
16. सोनीपत

उत्तराखंड-1

17. ऊद्रपुर

जम्मू-कश्मीर-1

18. जम्मू

1. फण्ड रेजिंग
2. सी एस आर (CSR)
3. लीगल कंप्लायंस
4. आयोजन समिति
5. चैप्टर डेवलपमेंट
6. डी आर डब्ल्यू (DRW)
7. मीडिया

BLSP के प्रमुख अंग

ट्रस्ट –

आदरणीय श्री लक्ष्मी नारायण गोयल जी, श्री सुभाष अग्रवाल जी, आदरणीय श्री ओम प्रकाश सिंघल जी, श्री जयप्रकाश अग्रवाल जी, श्री प्रवीण भाई तोगड़िया जी, श्री रोशन लाल अग्रवाल जी, स्व. श्री ओमकार भावे जी एवं श्री मनोहर लाल जी भारत लोक शिक्षा परिषद के प्रथम ट्रस्ट बोर्ड के गठन में रहे । समय के साथ ट्रस्ट बोर्ड का विस्तार हुआ और आज 13 ट्रस्टी हैं । ट्रस्ट बोर्ड में पीएसयू के पूर्व प्रमुख, कार्पोरेट, चार्टर्ड अकाउंटेंट और कॉस्ट अकाउंटेंट शामिल किए गए ।

कार्यकारिणी -

अध्यक्षों की सूची में आदरणीय श्री सत्यनारायण बंधु जी, श्री नरेश जैन जी, श्री नंद किशोर अग्रवाल जी, श्री नीरज रायजादा जी और अब श्री अखिल गुप्ता जी एवं महामंत्री की सूची में श्री सत्य प्रकाश मित्तल जी, श्री घनश्याम दास गोयल जी, श्री इन्द्र मोहन अग्रवाल जी, श्री विनोद अग्रवाल जी, श्री रमेश कनोडिया जी, श्री अश्वनी कुमार अग्रवाल जी और अब 2018 से राजीव अग्रवाल जी जुड़े, इन सभी की मेहनत एवं कर्मठता ने ट्रस्ट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। स्व. डॉ. वीरेंद्र कुमार जी (संयुक्त मंत्री) का विशेष योगदान रहा । कार्यकारिणी में समाज के गणमान्य व सामाजिक संस्थानों से जुड़े हुए सम्मानित **27 सदस्य** हैं ।

चैप्टर गठन (2005) -

2005 वर्ष से दिल्ली एवं अन्य स्थानों पर चैप्टर गठन शुरू हुआ। प्रारंभ में उत्तरी दिल्ली एवं वाराणसी चैप्टर का गठन हुआ । 2018 में फरीदाबाद, जम्मू, मुरादाबाद और गुरुग्राम, 2023 में बहराइच एवं पंचकुला, 2025 में सहारनपुर एवं सोनीपत चैप्टर का शुभारंभ किया गया । 25 वर्षों के दौरान लगभग 20 चैप्टर का गठन हो चुका है

महिला विभाग गठन (2009)-

महिला विभाग का गठन लगभग 2009 में हुआ। पर श्रीमति सुलोचना गोयल जी, श्रीमति शांति अग्रवाल जी, श्रीमति कुमकुम लोहिया जी, श्रीमति दर्शना गोयल जी, श्रीमति अनुभा जैन जी, श्रीमति सोनल रासीवासिया जी आदि 2009 के पूर्व से ही परिषद के कार्य को आगे ले जाने में कार्यरत हैं । श्रीमती माधुरी अग्रवाल जी का महिला विभाग में विशेष योगदान है । आज 480 सदस्य महिला विभाग राष्ट्रीय एवं चैप्टर स्तर पर अपना-अपना योगदान दे रहे हैं ।

युवा विभाग गठन (2011-12) -

युवा विभाग का गठन लगभग 2011-12 में श्री यतिन जैन जी, श्री प्रवीण खण्डेलवाल जी एवं श्रीमती ईशा जैन जी के नेतृत्व में हुआ। आज 64 सदस्य युवा विभाग को श्रीमति ईशा जैन जी प्रधान के प्रयासों से सुदृढ़ कर रहे हैं ।

ट्रस्ट बोर्ड

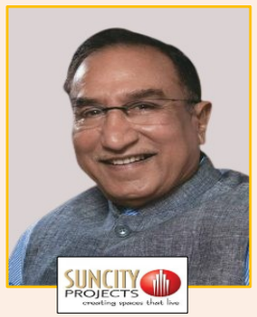

श्री लक्ष्मी नारायण गोयल
(चेयरमैन, ट्रस्ट बोर्ड)

श्री सुभाष अग्रवाल

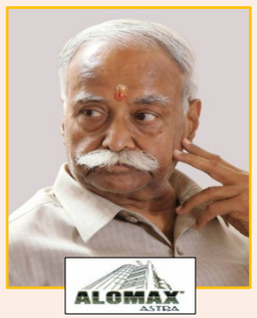

श्री ओम प्रकाश सिंघल

श्री विनीत कुमार गुप्ता

श्री नरेश कुमार

श्री सुरेन्द्र कुमार जिंदल

श्री नरेश जैन

श्री सुरेन्द्र पाल गुप्ता

श्री सुभाष सी. अग्रवाल

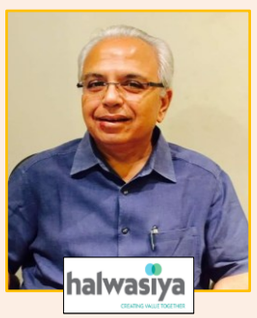

श्री उमा शंकर हलवासिया

श्री डी. के. सर्राफ

श्री विवेक नागपाल

श्री संजीव गोयल

श्री सुरेन्द्र कुमार गुप्ता

श्री मनोहर लाल अग्रवाल

कोर मैनेजिंग कमेटी

श्री नीरज रायजादा
राष्ट्रीय चेयरमैन

श्री अखिल गुप्ता
राष्ट्रीय प्रधान

श्री राजीव अग्रवाल
राष्ट्रीय महामंत्री

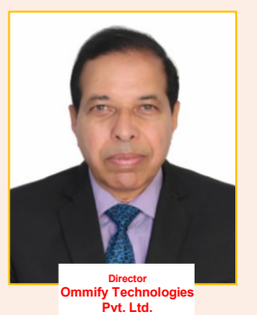

श्री सुनील गुप्ता
राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री

श्री विजय गुप्ता
राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष

श्री बृजमोहन अग्रवाल
राष्ट्रीय संयुक्त कोषाध्यक्ष

BLSP - चार स्तंभ

विद्यालय

भारत लोक शिक्षा परिषद का प्रारंभ 78 एकल विद्यालयों से हुआ। वर्ष 2026-27 में BLSP द्वारा **23,197** एकल विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। परिषद उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए **23,197** से अधिक गाँवों को शिक्षित, सुसंस्कृत एवं सशक्त बनाने के कार्य में सम्पूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है।

दानदाता

श्री तुलसी राम गुप्ता जी, श्री राम चंद छेरिया जी, श्री सत्य नारायण बंधु जी, श्री राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता जी, श्री सुभाष अग्रवाल जी आदि का दानदाताओं को जोड़ने में उल्लेखनीय योगदान रहा।

पच्चीस वर्षों में भारत लोक शिक्षा परिषद् ने **4800 से अधिक दानदाताओं** का विश्वास प्राप्त किया जिसमें अधिकतर एक एकल विद्यालय के दानदाता रहे। भारत लोक शिक्षा परिषद् का फोकस 'एक विद्यालय एक दानदाता' है। **2025-26 में 58% एक विद्यालय** के दानदाता रहे हैं।

कार्यकर्ता

भारत लोक शिक्षा परिषद् के कुल 9 संभागों में समर्पित भाव से सेवारत **1399 कार्यकर्ता (2026-27)** बंधु एवं बहनें कार्यरत हैं। जो शिक्षित और सशक्त राष्ट्र के निर्माण के लिए समर्पित है।

प्रचार-प्रसार -

एकल प्रचार प्रसार के लिए एवं दानदाताओं के सम्मान के लिए भारत लोक शिक्षा परिषद वार्षिक ईवेंट के रूप में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन करता रहा है जैसे श्री राम कथा, कवि सम्मेलन, दानदाता सम्मान समारोह, शतकवीर सम्मान समारोह, श्रीमद भागवत कथा, म्यूज़िकल प्रोग्राम, आदि। पहला शतकवीर सम्मान समारोह 2006 में किया गया, जिसमें आदरणीय श्री सुभाष अग्रवाल जी ट्रस्टी का विशेष योगदान रहा। भारत लोक शिक्षा परिषद एकल कुम्भ – एकल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली 2009 का आयोजक रहा । अप्रैल 2018, में परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में सितंबर 2019 में पंजाबी बाग दिल्ली में, सितम्बर 2022 परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में, सितम्बर 2023, पीतमपुरा दिल्ली, 2025-2026 पंजाबी बाग दिल्ली में भागवत एवं राम कथाओं का आयोजन किया गया।

एकल विद्यालय

भारत लोक शिक्षा परिषद का प्रारंभ **78 एकल विद्यालयों** से हुआ। BLSP द्वारा वर्ष 2026-27 में **23,197** एकल विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। परिषद उत्तरोत्तर प्रगति करते हुए 23,197 गाँवों को शिक्षित, सुसंस्कृत एवं सशक्त बनाने के कार्य में सम्पूर्ण रूप से जुड़ा हुआ है।

कार्यक्षेत्र – उत्तर भारत, 7 राज्य

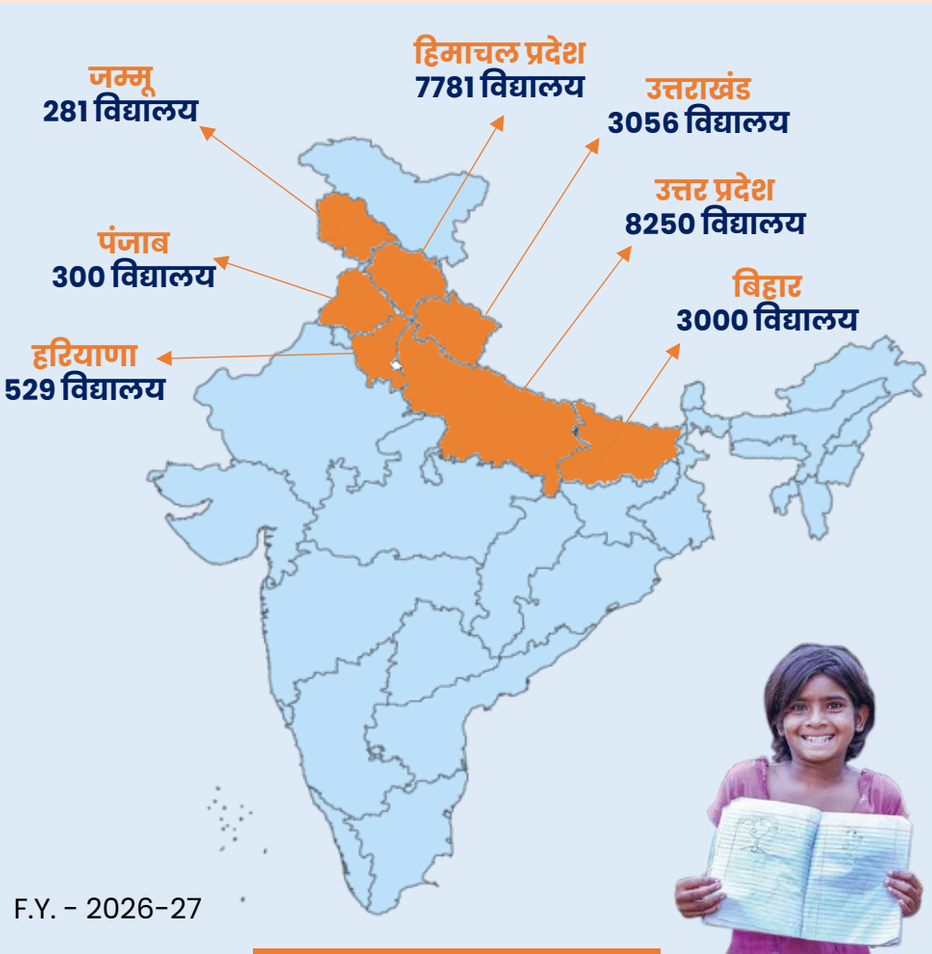

F.Y. - 2026-27

Reach & Presence

- State - 7
- Prabhag -4
- Sambhag- 11
- Anchal - 82
- Sanch -842
- Villages -23,197
- Schools -23,197
- Students - 630,750

उत्तर प्रदेश

हिमाचल

उत्तराखंड

बिहार

जम्मू

पंजाब

हरियाणा

कार्यकर्ता एवं आचार्य

भारत लोक शिक्षा परिषद् के कुल 11 संभागों में शिक्षित, स्वस्थ एवं समर्थ भारत के निर्माण के लिए समर्पित भाव से **सेवारत 1933 कार्यकर्ता बंधु एवं बहनें** कार्यरत हैं। प्रवास के अलावा नियमित रूप से ग्राम संगठन के समिति सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के साथ समन्वय बैठकें होती है जिससे कि आपस का तालमेल अच्छा होता है।

सेवाव्रती कार्यकर्ता सम्मान (संक्रांति उपहार)

भारत लोक शिक्षा परिषद् राष्ट्रीय महिला विभाग की बहनों द्वारा एवं चैप्टर की बहनों के सहयोग से सभी कार्यकर्ता बंधुओं एवं बहनों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रत्येक वर्ष जनवरी माह में मकर संक्रांति के पवित्र अवसर पर उपहार देकर सम्मानित किया जाता है।

आचार्य उपहार योजना

विद्यालय अभियान का आधार है, आचार्य उसके प्रथम स्तंभ हैं, इस सम्मान से संगठन में अपनापन का अनुभव होता है और संगठन मजबूत भी होता है। राष्ट्रीय महिला विभाग के अतुलनीय प्रयास से भारत लोक शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित एकल विद्यालयों के आचार्यों को उपहार सम्मान प्रदान किया जाता है।

दानदाता

भारत लोक शिक्षा परिषद् 80G, CSR, FCRA आदि के लिए रजिस्टर्ड है। दानदाताओं को दान रसीद एवं विद्यालय आवंटन के अलावा चलते विद्यालयों की अधिक से अधिक छायाचित्र, विद्यालय एवं इम्पैक्ट वीडियो, SPR, VDR, STL/TCL साझा किये जाते हैं।

इम्पैक्ट स्टोरी दानदाता के लिए

एकल विद्यालय

बच्चों एवं आचार्यों द्वारा दानदाताओं को भेजे जाने वाले पत्र

CSR विभाग

CSR विभाग का गठन 2020 में हुआ | 13 जून 2020 के ट्रस्ट बोर्ड की बैठक में ट्रस्टी श्री सुभाष सी. अग्रवाल (SMC) को CSR कमेटी का चेयरमैन नामांकित किया गया | चेयरमैन श्री सुभाष सी. अग्रवाल जी (ट्रस्टी) एवं अध्यक्ष श्री डी. के. सर्राफ जी (ट्रस्टी) हैं | CSR विभाग के अंतर्गत 4 कमेटियां बनाई गयीं हैं, जिसमें CSR PSU, CSR कॉर्पोरेट, CSR फॉर ऑल, CSR महिला है | श्री डी. के. सर्राफ जी की अध्यक्षता में 2024 के अन्दर PSU कंपनी से CSR में विशेषतः बढ़ोत्तरी हुई है |

भारत लोक शिक्षा परिषद, सीएसआर विभाग द्वारा 'एकल वार्षिक अमृत महोत्सव-2024'

CSR विभाग द्वारा आयोजित EKAL BLSP - CSR कार्यक्रम – 2025

प्रचार –प्रसार - वनयात्रा

नगर और गांव के मध्य एकल एक सेतु का कार्य कर रहा है | नगरवासी दानदाता जब सुदूर ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों में विद्यालय की गतिविधियों को जानने हेतु, नए नगर समिति सदस्यों को जोड़ने हेतु एवं समिति सदस्यों को सक्रिय करने हेतु, जाते हैं उसको एकल में वनयात्रा के नाम से जाना जाता है |

अयोध्या, एकल विद्यालय वनयात्रा (17 अक्टूबर 2021)

वाराणसी, एकल विद्यालय वनयात्रा (21 मार्च, 2023)

कानपुर, (सितम्बर 2025)

हिमाचल प्रदेश, (जून 2025)

अंचल शामली, सहारनपुर, एकल विद्यालय वनयात्रा (21 अगस्त, 2021)

प्रचार – प्रसार - प्रवास अर्थात अध्ययन यात्रा

प्रवास के दौरान नगर संगठन समिति सदस्य गुणवत्ता में वृद्धि के लिए एकल विद्यालय का अवलोकन करते हैं तथा उसकी गुणवत्ता में सुधार के लिए ग्राम संगठन समिति सदस्यों एवं कार्यकर्ताओं के साथ विचार विमर्श करते हैं । साथ ही पारिवारिक मिलन का कार्यक्रम भी रखा जाता है।

परिवार मिलन - श्री दीप कुमार जी का परिवार (20 अक्टूबर 2024, हिमाचल)

संभाग उत्तराखंड, भाग गढ़वाल (नवम्बर 2025)

दक्षिणी हिमाचल प्रवास (मार्च 2026)

प्रचार –प्रसार – कार्यक्रम-I

केंद्र - एकल के राम (3 जनवरी 2021, दिल्ली)

चैप्टर - एकल श्रीमद् भागवत कथा (19 सितंबर 2019, दिल्ली)

महिला विभाग - जन्माष्टमी कार्यक्रम (14 सितंबर 2025, दिल्ली)

युवा विभाग - एकल रन (21 दिसंबर 2025, दिल्ली)

प्रचार –प्रसार – कार्यक्रम -II

BLSP की 'रजत जयंती वर्ष' के अवसर पर "एकल श्री राम कथा" का एक भव्य आयोजन -2025

वार्षिक चैप्टर अवार्ड समारोह -2025

BLSP पूर्वी दिल्ली चैप्टर द्वारा 'हमारे राम' कार्यक्रम का आयोजन- 2026

बीएलएसपी उत्तरी दिल्ली चैप्टर महिला विभाग,
माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू जी के साथ भेंटवार्ता -2026

प्रचार –प्रसार – डिजिटल मीडिया

प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से मीडिया का प्रचार **2018** में शुरू हुआ। एकल समाचार का प्रकाशन शुरू हो गया। प्रणाली और प्रक्रिया में सुधार के लिए बीएलएसपी कार्यालय को मजबूत किया गया। (डीआरडब्ल्यू, लेखा, मीडिया, आदि) 61 अंचल प्रभारियों की पहचान कर नियुक्ति की गई। कनेक्ट ऐप के माध्यम से फोटो भेजने का काम शुरू हुआ। विभिन्न कार्यों के लिए नीतियाँ बनाई गई । अगस्त 2019 में एकल अभियान को जन-जन तक पहुंचाने एवं लोगों को एकल से जोड़ने के लिए डिजिटल क्राउड फन्डिंग का शुभारम्भ ट्रस्टी श्री सुरेन्द्र कुमार जिंदल जी के नेतृत्व में किया गया।

सोशल मीडिया

Till 31st May 2027

Facebook
Follower – 25,732
@Bharatlokshikshaparishad

Youtube
Subscribers -8,640
@Bharatlokshikshaparishad

Instagram
Follower – 7,809
@Bharatlokshikshaparishad

X (Twitter)
Follower – 542
@Bharatlokshikshaparishad

वेबसाइट

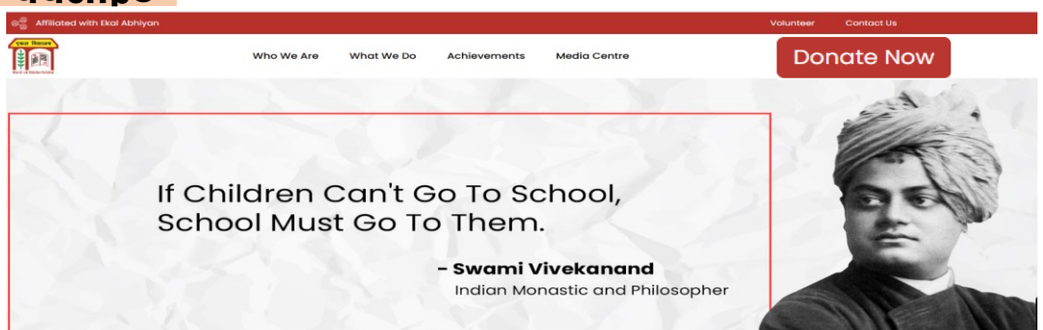

Who We Are –
- About BLSP
- About Ekal
- Ekal Story
- Management
- Financials (Annual Report)
- Sister Organizations
- Our Chapters
- Our Partnerships

What We Do -
- Education
- Women Empowerment
- Reporting CSR Donors

Achievements –
- Impact
- Awards & Recognition
- Success Stories

Media Centre -
- Events
- Vanyatra
- In-House Magazine
- Creative Corner
- Brochure

Donation -
- Through Debit/Credit Card
- Through QR Code

राष्ट्रीय टी वी चैनल

पत्रिका – एकल सन्देश

समाचार पत्र

BLSP - कोरोना काल (2020-2021)

जनवरी 2020 से विश्वव्यापी कोरोना महामारी से विश्व के अधिकतर देश प्रभावित हुआ। 24 मार्च 2020 को भारत के प्रधानमंत्री ने 21 दिनों का लॉकडाउन क आदेश दिया। कोरोना के पहले चरण की तुलना में दूसरा चरण ज्यादा भयावह रहा।

कोरोना सूनामी के दौर में, भारत लोक शिक्षा परिषद ने कोरोना सुरक्षा में अग्रणी भूमिका निभाई । कोरोना सुरक्षा तथा वैक्सीनेशन कराने के लिए सघन जागरूकता अभियान चलाया। श्री नरेश जैन, ट्रस्टी (EBLSP& EGF) को "EKAL SEWA Corona Relief Team" का संयोजक मनोनीत किया गया। यह टीम राष्ट्रीय "कोविड रिसोर्स टीम" का हिस्सा है। सेवा भारती, दिल्ली एकल (भारत लोक शिक्षा परिषद) के साथ मिलकर दिल्ली में विभिन्न 15 स्थानों पर "कोविड केयर सेंटर" का संचालन किया । इन सेंटर में 405 बेड, आक्सिजन, डॉक्टर, खाना, औषधीय सामग्री आदि को मुफ़्त में उपलब्ध कराई गई।

कोरोना काल में ज़ूम बैठकों के द्वारा परिषद एवं चैप्टर की गतिविधियों को ना केवल जारी रखा गया बल्कि ज़ूम पर विभिन्न कार्यक्रम भी आयोजित किए गए।

कोरोना काल में ही 3 जनवरी 2021 को परिषद द्वारा "एकल के राम" का एक सुन्दर कार्यक्रम डॉ कुमार विश्वास जी के माध्यम से आयोजित किया गया। 18 सितंबर 2021 को भारत लोक शिक्षा परिषद की वार्षिक समन्वय बैठक जम्मू में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बैठक का आयोजन – परिवर्तन कुम्भ

भारत लोक शिक्षा परिषद एकल कुम्भ – एकल अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, दिल्ली 2009 का आयोजक रहा। इस अभियान को जन जन तक पहुंचाने के लिए 16-18 फ़रवरी 2020 को माता रमाबाई अंबेडकर मैदान, लखनऊ में भव्य परिवर्तन कुंभ का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु -

- एकल द्वारा किये जा रहे कार्यों को समाज के सामने प्रस्तुत करना
- 50 हजार घरों से 2 लाख पैकेट भोजन की व्यवस्था
- स्वराज सैनिकों का पहली बार सम्मलेन, संभाग बैठक
- एकल द्वारा हो रहे सामाजिक परिवर्तन की रूप रेखा
- एकल गौरव एवं भावी योजना

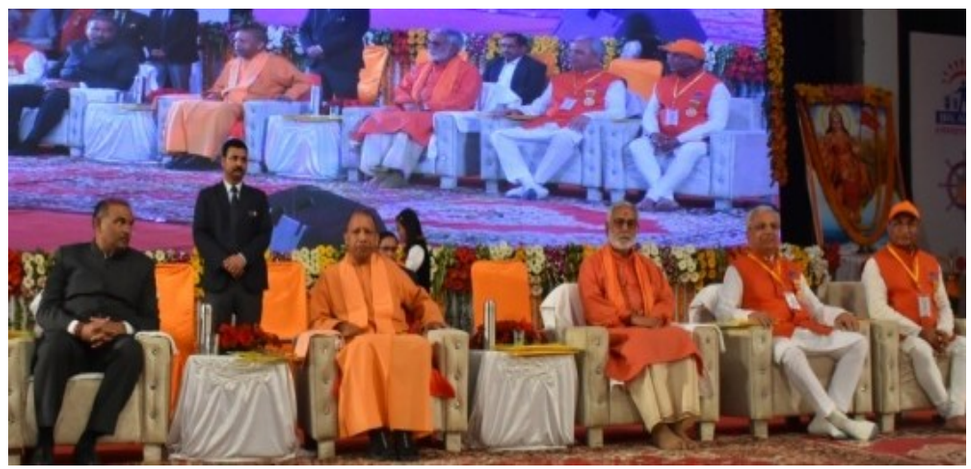

अंतर्राष्ट्रीय स्तर की बैठक का आयोजन – अखिल भारतीय प्रतिनिधि मंडल (ABPM)

ABPM-2019

तीन दिवसीय बैठक में **425 प्रतिनिधियों** ने हिस्सा लिया जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से लोगों को परिचित कराया और संगठन को मजबूत करने में आने वाली समस्याओं पर गंभीर रूप से चर्चा कर उसके निदान एवं विकल्पों पर चर्चा की।

ABPM-2023

तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान मुख्यतः – CYC, PKM, CEC, आदि सम्पन्न हुई। इस बैठक में एकल अभियान के सम्पूर्ण भारत एवं विदेश से लगभग **300 प्रमुख प्रतिनिधियों** ने भाग लिया।

एकल– राष्ट्रीय, सामाजिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक प्रभाव

राष्ट्रीय प्रभाव –

1. सीमावर्ती गांवों में 1300 एकल विद्यालय के माध्यम से साक्षरता और संस्कार का प्रसार करके सीमावर्ती क्षेत्रों को सुरक्षित, आतंकवाद और नशीले पदार्थों के खतरे को नियंत्रित किया है और किया जा रहा है
2. पलायन (Migration) और धर्मांतरण को रोकन-80% आचार्य, कार्यकर्ता, आदिवासी और वंचित समुदायों से हैं
3. शहरों और गांवों के बीच सेतु निर्माण
4. भावी पीढ़ियों के मन में राष्ट्रवाद की चेतना जागृत करना

आर्थिक प्रभाव –

1. ग्रामीण एवं आदिवासी समाज को आर्थिक रूप से सशक्त एवं मजबूत बनाना
2. एकल कार्यकर्ता और आचार्य सीधे लाभान्वित
3. लगभग 25,000 गांवों के लोग अप्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित
4. ग्रामीण एवं वनवासी क्षेत्रों के आर्थिक सुदृढ़ीकरण की रूपरेखा तय की गयी

सांस्कृतिक परिवर्तन –

1. भारत के गौरवशाली संस्कृति को पुनर्स्थापित करने के लिए एकल अभियान द्वारा उनको संरक्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।
2. ग्रामीण भारत में अपनी खोयी हुई संस्कृति को पुनर्जागृत करने के लिए सत्संग चलाये जा रहे हैं।
3. एकल विद्यालय में संस्कार शिक्षा के माध्यम से, माता पिता के चरण छूना, भोजन मन्त्र करना आदि सिखाए जाते हैं ।

सामाजिक प्रभाव –

1. महिला सशक्तिकरण - 50% छात्राएं, 72% महिला शिक्षक और 22% महिला कार्यकर्ता
2. एकल विद्यालय के माध्यम से ग्रामीण एवं आदिवासी परिवारों को शिक्षित कर उन्हें स्वाभिमानी और सामाजिक रूप से मजबूत बनाने का कार्य
3. एकल के प्रति जागरूकता – विभिन्न धार्मिक एवं सामजिक आयोजनों के माध्यम से - शहरों में 18 बड़े आयोजन
4. वनयात्राओं के आयोजन से शिक्षाविद, उद्योगपति, सामाजिक कार्यकर्त्ता और समाज के प्रतिष्ठित लोग एकल से जुड़े
5. समृद्ध राष्ट्र एवं बेहतर जीवन स्तर के लिए गांवों का विकास
6. एकल विद्यालय के द्वारा समाज अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहा है,
7. सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं का लाभ भी ले रहा है।
8. जन जागरूकता बढ़ रही है और सामाजिक अस्पृश्यता का अंत भी हो रहा है।

थर्ड पार्टी इम्पैक्ट असेसमेंट

हार्वर्ड बिजनेस स्कूल

- एकल के संगठनात्मक डिजाइन ने ज्ञान हस्तांतरण और इसकी सभी गतिविधियों की गुणवत्ता का समर्थन करने में केंद्रीय भूमिका निभा रहा है।
- शिक्षकों के प्रशिक्षण में मुख्य विषयों के शिक्षकों के ज्ञान के साथ-साथ राष्ट्रीय इतिहास और क्षेत्रीय परंपरा के बारे में उनके ज्ञान को विकसित करना शामिल है। और प्रशिक्षण की गुणवत्ता का मूल्यांकन करने के लिए, केंद्रीय शिक्षा समिति नियमित रूप से चयनित सत्रों का दौरा करती है और क्षेत्रीय स्तर पर द्विवार्षिक मूल्यांकन बैठकें आयोजित करती है।
- जिन बच्चों ने एकल स्कूल से पढ़ाई की और फिर सरकार द्वारा वित्त पोषित स्कूल में भाग लिया, वे अपने एकल पाठ्यक्रम में शामिल विषयों में बेहतर उपस्थिति, अधिक अनुशासन और बेहतर प्रदर्शन प्रदर्शित करते पाए गए।

टाटा धान फाउंडेशन और आईआईएम बेंगलुरु

- बच्चों को मूल्य शिक्षा प्रदान करना - जब लोग अपने रीति-रिवाजों और पारंपरिक मूल्यों से दूर जा रहे हैं। इसका प्रभाव माता-पिता और बड़े ग्राम समुदायों (उनके बच्चों के माध्यम से) पर भी पड़ने की उम्मीद है।
- बच्चों के बीच लिखावट और स्वयं पढ़ने के कौशल में सुधार।
- शिक्षा खेल-कूद, कहानी एवं गाने के माध्यम से। छात्र छात्राओं के समझ एवं स्मरण शक्ति में वृद्धि, बेहतर सामान्य ज्ञान।
- औपचारिक स्कूलों की तुलना में एकल विद्यालय में जाने वाले बच्चों में अनुशासन से संबंधित सकारात्मक बदलाव देखे गए।

ONGC

- एकल विद्यालय सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित समाज के बच्चों को मूल्यों और संस्कृति के इनपुट के साथ बुनियादी शिक्षा प्रदान करने और उन्हें औपचारिक स्कूली शिक्षा के साथ एकीकृत करने के लिए तैयार करने की सुविधा प्रदान कर रहा है।
- स्वस्थ आदतों, स्वच्छता, आसपास की सफाई और शारीरिक फिटनेस के प्रति संवेदनशीलता और भावना में सुधार हुआ है।
- छात्रों के बीच मानव गरिमा, अधिकारों, लिंग समानता, राष्ट्रीय एकीकरण, ईमानदारी, सहयोग और जीवन के लिए चिंता के प्रति सम्मान बढ़ाया गया है। छात्रों के पारस्परिक संचार कौशल पर पर्याप्त सुधार हुआ है।

राजनेता एवं संतों के मुख से

हमारे राजनेता

" देश के सबसे मुश्किल क्षेत्रों में, वनवासी इलाकों में, कभी-कभी तो लगता है कि जहां सरकारें भी नहीं पहुंच पाईं वहां एकल अभियान जैसे प्रयासों ने समाज को शिक्षित और सक्षम बनाने का बीड़ा उठाया है।"

श्री नरेंद्र मोदी जी
माननीय प्रधानमंत्री, भारत

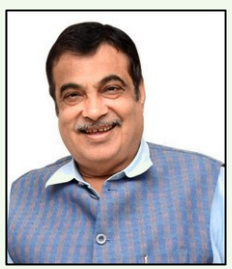

"एकल विद्यालय हमारे देश की एक ऐसी आदर्श संस्था है जो एक लाख एकल विद्यालय के माध्यम से देश में लाखों आदिवासी बच्चों को पढ़ाने का काम कर रही है।"

श्री नितिन गडकरी जी
सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री
भारत सरकार

"एकल अभियान एक लाख की संख्या को पार करते हुए सेवा के क्षेत्र में, शिक्षा के प्रचार प्रसार में नि:स्वार्थ भाव से संलग्न होकर कार्य कर रहा है।"

श्री योगी आदित्यनाथ जी
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

हमारे संत समाज

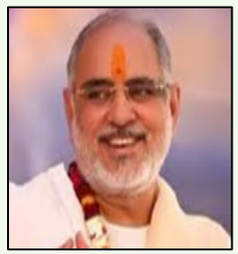

"मुझे चंदन का टीका लगाने के भाव से मेरे ललाट में चंदन बाद में लगा, तेरी अंगुली में पहले लगा, उस चन्दन की शीतलता का अनुभव मुझे बाद में हुआ तुझे पहले हुआ, परहित की भावना जिस वक्त तुम्हारें मन में उठी उसी वक्त तुम्हारा अपना तो हित हो ही गया।"

पूज्य भाई श्री रमेश भाई ओझा जी
विश्व प्रसिद्द कथा वाचक

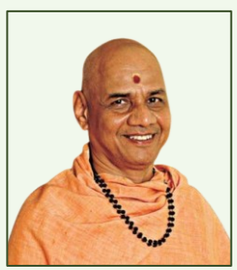

"जो सेवा एकल के माध्यम से आज की जा रही है वह मुझे सर्वोपरि महत्वपूर्ण लगती है। मैं आपसे इतना ही कहना चाहता हूं कि अन्य कोई कार्यभार मेरे पीछे नहीं होता तो मैं सारा का सारा समय इसी एक काम के लिए दे देता।"

परम पूज्य स्वामी गोविंददेव गिरी जी महाराज
कोषाध्यक्ष, श्री राम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र न्यास, अयोध्या

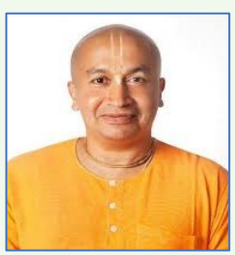

"एकल के साथ सामाजिक क्षेत्रों में संस्कार और गीता को शिक्षा के साथ जोड़ने का स्वर्णिम अवसर एकल के साथ मिल रहा है।"

परम पूज्य आध्यात्मिक
गुरु गौरांग प्रभु जी
निदेशक- गोवर्धन इकोविलेज, इस्कॉन

एकल के बारे में सम्मानित लोगों का कथन

Politician

Sant Samaj

Celebrity

Ekal Video

अवॉर्ड

भारत लोक शिक्षा परिषद को शिक्षा क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए National Education Excellence Award 2016 (Assochem), Rotary Literacy Hero Award 2016 (Rotary International), Excellent Education Provided to Weaker Section of the Society 2019 (Ministry of MSME), मेरिटोरियस अवॉर्ड 2023 (रोटरी क्लब दिल्ली यूनिवर्सिटी) आदि से सम्मानित किया गया।

GANDHI PEACE PRIZE-2017

Presented to Ekal Abhiyan by The President of India Shri Ram Nath Kovind & Prime Minister Of India Shri Narender Modi

Annual Donation

ONE SCHOOL	30,000/-
50 SCHOOL (PARAMVEER)	15,00,000/-
100 SCHOOL (SHATAKVEER)	30,00,000/-
1000 SCHOOL (MAHASHATAKVEER)	30,000,000/-

Donation Under 80G - Account Details

Bharat Lok Shiksha Parishad
Union Bank of India, Shalimar Bagh, Delhi-110088
A/C No. 467902050000186, IFSC : UBIN0546798

Donation Under CSR - Account Details

Bharat Lok Shiksha Parishad
Union Bank of India, Shalimar Bagh, Delhi-110088
A/C No. 467902010123677, IFSC : UBIN0546798

Online Donation

Donation through website

www.ekalblspindia.org

Donation through UPI

DONATE NOW

NATIONAL GAURAV AWARD-2024

SAMATAN RATNA SAMMAN-2025

SH. LAXMI NARAYAN GOYAL HONORED 2025

NATIONAL GAURAV AWARD-2024

MERITORIOUS AWARD-2023

REAL CORONA HERO AWARD-2020

सेंट्रल ऑफिस - NS-15, FD ब्लाक, पीतमपुरा, दिल्ली-110034 , संपर्क सूत्र - 9999399063, 7827207665 मेल - info@blspindia.org, drw@blspindia.org, वेबसाइट- www.ekalblspindia.org